MN

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–8)

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	DTVF/22 (J-A)–M–**GSM (M-I)-2208**	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: Rojnish Patel **Mobile Number:** ____________________

Medium (English/Hindi): ____________ **Reg. Number:** ____________________

Center & Date: ____________________ **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: ____________________

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें तेरह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **THIRTEEN** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		6 (a)	
1 (b)		6 (b)	
2 (a)		7.	
2 (b)		8.	
3 (a)		9.	
3 (b)		10.	
4.		11.	
5 (a)		12.	
5 (b)		13.	
Grand Total (सकल योग)			

Vivek Mishra

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

---

(1) भूमिका में मानक परिभाषा एवं उचित उदाहरणों का अभाव दृष्टिगत है। अभ्यर्थी को सलाह है कि स्तरीय पुस्तकों (मानक) एवं व्यवहारिक उदाहरणों से उत्तर लेखन प्रारम्भ करें।
(उत्तर सं॰ – (1a), 3(b), 4, 5(a)).

(2) प्रश्नानुसार हाशिया प्रसंग अवश्य लिखने का प्रयास करें।

(3) विषयवस्तु लेखन में सुधार अपेक्षित; विषयवस्तु की वस्तुनिष्ठता एवं समग्रता आवश्यक।
(उत्तर संख्या – 3(a), 3(b), 5(a), 6(b), 7(b).

(4.) चुनौतियों एवं समाधान में दिये गये तर्कों के आलोक में समसामयिक उदाहरणों का समावेशन अनिवार्य है।

(5.) केस स्टडी को सामान्य अध्ययन प्रश्न की भाँति के उत्तरलेखन से बचें। केवल केस स्टडी की विषयवस्तु तक ही सीमित रहें।

(6) आपके द्वारा चुने गये विकल्प के लाभ तथा हानि का तुलनात्मक अध्ययन आवश्यक।

(7) निष्कर्ष की प्रवृत्ति सकारात्मक तथा सुझावात्मक रखने का प्रयास करें। (खण्ड–A).

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खंड – क/ SECTION – A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. (a) 'भावनात्मक बुद्धिमता' क्या है और इसे लोगों में कैसे विकसित किया जा सकता है? यह किसी व्यक्ति को नैतिक निर्णय लेने में कैसे मदद करती है? (150 शब्द) 10

What is 'emotional intelligence' and how can it be developed in people? How does it help an individual in taking ethical decisions? (150 Words) 10

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से आशय

स्वयं एवं अन्य की भावनाओं को समझने के साथ-साथ उन्हें प्रबंधित करने की क्षमता से है।

↳ उदाहरणार्थ:- यदि किसी रोते हुए व्यक्ति के साथ सामने वाला भी रोकर उसे सहानुभूति प्रदान करता है तो यह भावनात्मक बुद्धिमत्ता का परिचायक है।

विकास कैसे किया जाय?

↳ शिक्षण कार्यक्रमों में हिस्सा बनाकर:

↳ उदाहरण:- शुरुआती कक्षाओं में चित्रों एवं वीडियो द्वारा अनुभूतियों की समझ विकसित करना।

(Evaluator's margin notes: उचित भूमिका। तत्व – अन्तरावैयक्तिक आत्म जागरूकता, और आत्म-प्रेरणा, सामाजिक जागरूकता और सामाजिक कौशल। विकास के तरीके – (1) भावना की उचित पहचान (2) दूसरे की भावना पहचानना। (3) स्थिति अनुसार भावना संशोधन)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ बच्चों को विविधापूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना।

⇒ प्रशिक्षण संस्थानों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विकास का प्रयास करना।

नैतिक निर्णयन में भूमिका

Daniel Goldman
① आत्म जागरूकता
② स्व नियमन
③ सामाजिक कौशल
④ सहानुभूति
⑤ आंतरिक प्रेरणा

⇒ व्यक्ति अपनी भावनाओं को ठीक-ठीक समझ पाता है। वह उन पर अनुशासनात्मक नियंत्रण स्थापित करता है अतः अनैतिक महत्वाकांक्षाओं से बच जाता है।

⇒ सामने वाले के साथ नैतिक व्यवहार सुनिश्चित करने से पहले उसकी स्थिति को जानने में मददगार।

↳ उदाहरण:- अवसादग्रस्त व्यक्ति की मदद करने में भावनात्मक बुद्धिमत्ता महत्वपूर्ण

वस्तुत: डेनियल गोलमैन ने इसे IQ से ज्यादा महत्वपूर्ण बताया है।

निष्कर्ष! सकारात्मक जोड़िए

(3.5)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(b) राष्ट्रीय विकास के लिये अंतर्राष्ट्रीय वित्त पोषण आवश्यक है, हालाँकि इसके साथ कई नैतिक मुद्दे जुड़े हुए हैं। विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

International funding is essential for National development, however, there are many ethical issues associated with it. Analyze. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भूमिका उचित

राष्ट्रीय विकास में संसाधनों को जुटाने की प्रक्रिया में विश्व बैंक, IMF, एशियाई विकास बैंक जैसी संस्थाओं की स्थापना की गई साथ ही शेयर बाजार द्वारा भी अंतर्राष्ट्रीय वित्त का प्रावधान किया गया किंतु इसमें कई नैतिक मुद्दे विद्यमान हैं।

नैतिक मुद्दे

अंतर्राष्ट्रीय वित्त पोषण की आवश्यकता क्यों-?
① आपात स्थिति
② विकासात्मक कार्य
③ पर्यावरण संरक्षण
④ भुगतान संतुलन

① ऋणजाल का मुद्दा:- कुछ राष्ट्रों द्वारा विकासशील एवं छोटे देशों में अपनी रणनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति हेतु ऋण जाल कूटनीति का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसका शिकार श्रीलंका, पाकिस्तान, मालदीव जैसे राष्ट्र हो रहे हैं।

② बहुपक्षीय बैंकों में आनुपातिक भागीदारी का मुद्दा

विश्व बैंक एवं IMF जैसे महत्वपूर्ण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

वित्तीय संस्थाओं में अमेरिका जैसे कुछ ही देशों का प्रभुत्व है जबकि अधिकांश देशों को उनमें महत्वपूर्ण अंश नहीं मिला है।

③ अंतर्राष्ट्रीय वित्तीयन प्रदान करते समय अक्सर उधार लेने वाले राष्ट्र की प्राथमिकताओं का ध्यान नहीं रखा जाता बल्कि उधारदाता अपनी प्राथमिकता थोपता है।

चुनौतियाँ
① बल का मनमाना उपयोग
② हितों का टकराव
③ सांस्कृतिक टकराव
④ अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों का महत्व
⑤ नव उपनिवेशवादी प्रवृत्ति
⑥ संप्रभुता पर खतरा

आगे की राह

→ बिल्ड बैक बेटर, ग्लोबल गेटवे, ब्लू डॉट नेटवर्क जैसे विविध मंचों की स्थापना।
→ वित्तीय संरचना में पारदर्शिता लाना।
→ भारत जैसे राष्ट्रों द्वारा तकनीकी एवं आर्थिक सहायता में तेजी लाना।

आगे की राह
① जवाबदेहिता
② मानवीय प्रणाली
③ पारदर्शी प्रक्रिया

अंतर्राष्ट्रीय वित्तीयन में नैतिक पक्ष को मजबूत करने के लिए भारत को विकासशील एवं पिछड़े देशों का नेतृत्व करना चाहिए।

निष्कर्ष — प्रभावी लिखें। सन्तुलित

(3)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2. (a) "यह अभिवृत्ति है लेकिन अभिक्षमता नहीं है जो किसी की सफलता निर्धारित करती है"। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

"It is attitude but not aptitude which determines one's altitude". Comment. (150 Words) 10

अभिवृत्ति जहाँ किसी मनोवैज्ञानिक विषय के प्रति सकारात्मक या नकारात्मक भाव को प्रदर्शित करती है वहीं अभिक्षमता का संबंध जन्मजात प्रतिभा से होता है।

उदाहरण :- किसी की क्रिकेट में रुचि हो सकती है किंतु उसकी जन्मजात प्रतिभा नहीं हो सकती। ऐसी स्थिति में क्रिकेट के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति के बावजूद उसमें अभिक्षमता का अभाव है।

1) अभिक्षमता ↓ अंतर्निहित कौशल
2) अभिवृत्ति ↓ दृष्टिकोण — सकारात्मक / नकारात्मक

मनोवृत्ति = अभिवृत्ति

अभिवृत्ति का महत्व :-

अभिवृत्ति यदि किसी विषय के प्रति सकारात्मक हो तो
⇒ व्यक्ति उस क्षेत्र में पूरी लगन से काम करता है।
⇒ उस कार्य को करते हुए उसे आनंद आता है।
⇒ वह उस कार्य के बारे में अधिक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

से अधिक जानने एवं समझने का प्रयास करता है।

उपर्युक्त कारक उस कार्य / उद्देश्य की सफलता में योगदान देते हैं।

अभिक्षमता का महत्व:-

→ इसका महत्व सफलता में है। उदाहरणार्थ- यदि किसी में सिविल सेवा एटीट्यूड न हो तो केवल अभिरुचि से सफल होना संभव नहीं है।

⇒ इसी तरह यदि किसी व्यक्ति को सफलता हासिल करनी है तो उसकी अभिवृत्ति एवं अभिक्षमता में तारतम्य होना जरूरी है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण सचिन तेंदुलकर हैं। उनकी अभिवृत्ति एवं अभिक्षमता दोनों क्रिकेट के प्रति सकारात्मक थी एवं उन्होंने कमाल कर दिया।

उदाहरणों द्वारा पुष्टि करें कि निम्न अभिक्षमता होने पर भी उच्च अभिवृत्ति होने के कारण व्यक्ति सफल बना — ex. ① आलसी बुद्धिजीवी की सफलता मुश्किल ② सकारात्मक अभिवृत्ति के कारण ISRO की सफलता

स्पष्ट करें कि केवल अभिरुचि ही सफलता का पैमाना नहीं

निष्कर्ष सराहनीय

दोनों में अभिवृद्धि साधन भूत: दोनों में सन्तुलित विकास अपेक्षित

4.5

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(b) व्यावसायिक नैतिकता एक संगठन की न केवल एक मजबूत और सकारात्मक सार्वजनिक छवि का निर्माण करती है बल्कि संगठनात्मक संस्कृति को भी मज़बूत करती है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Business ethics not only build a strong and positive public image of an organization but also strengthen organizational culture. Discuss. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

व्यवसायिक नैतिकता से आशय किसी व्यवसाय द्वारा कानूनों, नियमों एवं विनियमों के साथ-साथ नैतिक मूल्यों जैसे- उपभोक्ता के स्वास्थ्य के प्रति चिंता, श्रमिकों के प्रति संवेदनशील व्यवहार आदि को महत्व देने से है।

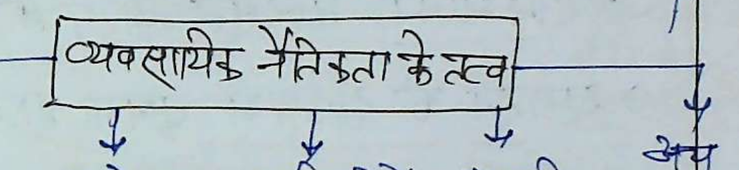

elements:- ① सत्यनिष्ठा ② निष्पक्षता ③ नियम/समझौतों के प्रति प्रतिबद्धता ④ व्यापक सोच ⑤ मानवीयता ⑥ स्वाभिमान

व्यवसायिक नैतिकता के तत्व
- पर्यावरण को निम्नतम नुकसान पहुंचाना
- उपभोक्ता हितों को स्वहित से ऊपर रखना
- कर्मचारियों को परिवार की तरह मानना
- सामाजिक मूल्यों के प्रति स्वीकार्यता
- अन्य

व्यवसायिक नैतिकता का महत्व

→ सार्वजनिक छवि में सुधार:-

→ उदाहरण:- हाल ही में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान ऑपरेशन गंगा में निजी एयरलाइनों के सहयोग को आम जनता ने खूब सराहा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

इसी प्रकार टाटा समूह जैसी संस्थाएँ स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सामाजिक अवसंरचना में योगदान द्वारा अपनी ब्रांड वैल्यू को मजबूत करती हैं।

② विस्तार की अधिक सम्भावना (लाभ)

संगठनात्मक संस्कृति में महत्व:-

→ कर्मियों का ध्यान रखने से उनके भीतर संस्था के प्रति आत्मीयता का विकास होता है

→ टीम भावना मजबूत होती है।

→ संगठन की दक्षता में सुधार होता है।

① विश्वास वृद्धि ② कर्मचारियों में नियमन की क्षमता का उन्नयन

व्यवसायिक नैतिकता में चुनौतियाँ

तर्कों को उपयुक्त उदाहरणों द्वारा पुष्ट भी करें

⇒ व्यवसायिक संस्था को लाभ से समझौता करना पड़ सकता है।

⇒ प्रतिस्पर्धात्मक रूप से वह अन्य से पीछे छूट सकती है।

फिर भी दीर्घकाल में व्यवसायिक नैतिकता किसी भी व्यवसायिक संगठन को व्यापक लाभ प्रदान करती है।

निष्कर्ष - नैतिकता के बिना व्यापार पाप - गांधी जी

4.5

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

3. (a) नैतिकता के विभिन्न निर्धारकों की उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the various determinants of ethics with suitable examples. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

समाज द्वारा समय-समय पर कुछ मानदंडों का निर्माण किया जाता है इन्हीं के आधार पर मूल्यों एवं नैतिकता का विकास होता है। नैतिकता को निर्धारित करने वाले विभिन्न निर्धारक अधोलिखित हैं।

नैतिकता को परिभाषित कीजिए

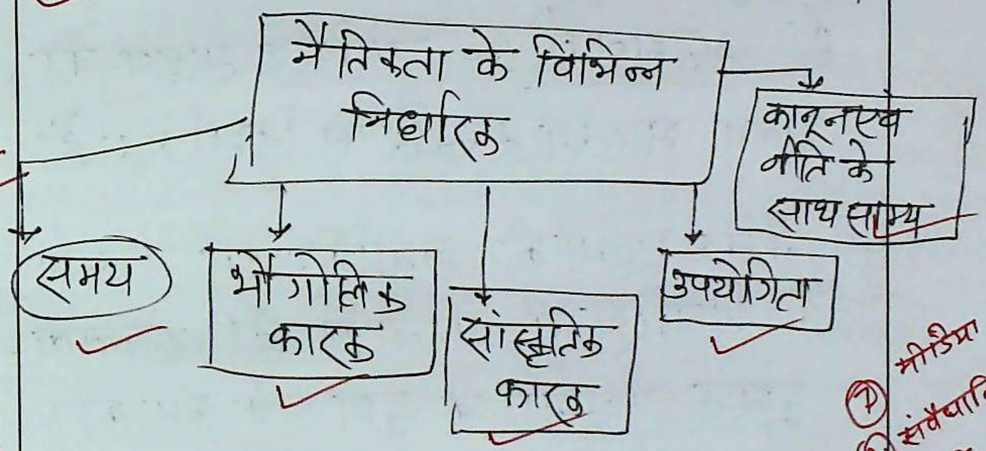

निर्धारक तत्व ① परिवार ② समकक्ष समूह ③ प्रासंगिक घटनाएं ④ परिस्थितियां ⑤ पेशेवर संहिता ⑥ व्यक्तिगत ↓ प्रत्येक से किस प्रकार की नैतिकता सीखने को मिलता है? (उदा. लिखें)

⑦ मीडिया ⑧ संवैधानिक/वैधानिक प्रावधान ⑨ अन्तर्राष्ट्रीय घटनाएं।

1) समय के साथ मूल्यों में परिवर्तन होता रहता है। उदाहरणार्थ आज से सैकड़ों वर्ष पूर्व लोकतंत्र का मूल्य इतना महत्वपूर्ण नहीं था जितना आज है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

४) भौगोलिक कारक भी नैतिकता के निर्धारण में योगदान देते हैं जैसे ठण्डे प्रदेशों में मांसाहार एवं मदिरा से संबंधित मूल्य।

③ परम्परा, इतिहास एवं अन्य सांस्कृतिक कारक भी नैतिकता को निर्धारित करते हैं उदाहरणार्थ :- पर्यावरण संरक्षण का मूल्य भारतीय संस्कृति से निर्धारित है।

अधिक समावेशिता अपेक्षित

४) नैतिक मूल्यों की उपयोगिता भी नैतिकता के निर्धारण में महत्वपूर्ण है। उदाहरणार्थ:- दुधारू पशुओं के दुध एवं श्रम का लाभ लेने हेतु हिन्दू धर्म में मांसाहार के विरुद्ध मूल्यों का विकास हुआ।

इन सब के अतिरिक्त सामाजिक स्वीकार्यता, कानून एवं नीति के साथ साम्य आदि भी नैतिकता के महत्वपूर्ण निर्धारक हैं।

(3.5)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) उस समाज को वापस भुगतान करने का एक तरीका है जिससे लाभ कमाया जाता है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Corporate Social Responsibility (CSR) is a way to pay back to the society from whose profits are made. Discuss. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कंपनी अधिनियम 2013 द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व की शुरुआत भारत में व्यावसायिक नैतिकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं मौलिक सुधार था।

पिछले 3 वर्षों के निवल लाभ के औसत का 2% CSR

CSR के प्रमुख प्रावधान

→ लाभ का 2% सामाजिक संरचना में निवेश करना जरूरी
↳ जैसे - शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण

CSR का महत्व - अधिक

→ यह कंपनियों का सभी हितधारकों के प्रति उत्तरदायित्व सुनिश्चित करता है।
↳ उदाहरणार्थ:- एक माइनिंग कंपनी वहाँ के पर्यावरण एवं स्थानीय जनता को प्रभावित करती है अतः CSR द्वारा जवाबदेहिता सुनिश्चित की जाती है।

① उपयोगितावाद
② कल्याणकारी नीतियाँ
③ जागरूकता पैदा करना
④ राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था
⑤ सतत विकास
⑥ लक्षित वृद्धि

① भूख व गरीबी उन्मूलन
② शिक्षा वृद्धि
③ लैंगिक समानता को बढ़ावा
④ पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा
⑤ रोजगार व व्यावसायिक कौशल

Copyright – Drishti The Vision Foundation

⇒ C.S.R के माध्यम से कंपनियों द्वारा किया गया निवेश दीर्घकाल में उपभोक्ता क्षमता में वृद्धि करता है। उदाहरणार्थ:- शिक्षा, स्वास्थ्य में निवेश से सशक्त समाज का निर्माण होगा जिसकी क्रय शक्ति मजबूत होगी अतः कंपनी बाजार का विस्तार होगा।

⇒ पर्यावरण संरक्षण आदि में निवेश द्वारा कंपनियाँ विकास को सततता प्रदान करती हैं। उदाहरणार्थ:- NTPC द्वारा स्वच्छ ऊर्जा में निवेश।

C.S.R में चुनौतियाँ

- C.S.R. फंड का अकुशल व्यय।
- क्षेत्रवार असमानता।
- कुछ सीमित क्षेत्रों में ही प्रयास।

C.S.R. पद्धति में सुधार हेतु एजेंसी नौनिवास समिति की सिफारिशों को ध्यान में रखा जा सकता है।

CSR के माध्यम से कम्पनी व समाज की सहजीविता

(4)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

4. लोक प्रशासन में अभिवृत्ति की अवधारणा और इसके महत्त्व की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the concept of attitude and its importance in public administration. (150 Words) 10

भूमिका।

आधुनिक प्रशासनिक व्यवस्था लोक प्रशासन का उद्देश्य जन कल्याण निर्धारित करती है, ऐसे में लोक प्रशासन की अभिवृत्ति का महत्व बढ़ जाता है।

लोक प्रशासन में अभिवृत्ति

⇒ प्रशासक की लोक सेवा के प्रति क्या सोच?
⇒ उसकी राजनीतिक अभिवृत्ति कैसी?
⇒ समाज के विविध वर्गों जैसे अल्पसंख्यक, दलित आदि के प्रति क्या अभिवृत्ति?
⇒ सहकर्मियों के प्रति क्या अभिवृत्ति?

अभिवृत्ति की अवधारणा ↓ लक्ष्य (Pub Ad) में घटक
- संज्ञानात्मक
- भावनात्मक
- व्यवहारात्मक

लोकप्रशासन में अभिवृत्ति का महत्व

⇒ यदि कोई व्यक्ति लोक सेवा में 'सेवा भावना' के साथ आता है तो निश्चित रूप से

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

वह अपनी पूरी ऊर्जा एवं क्षमता का इस्तेमाल इसके उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु करेगा। उदाहरणार्थ :- बाढ़ निरीक्षण के दौरान लोकसेवक द्वारा स्वयं पानी में गहराई तक जाकर निरीक्षण करना।

लोक प्रशासन में अभिवृत्ति का महत्व —
(1) समाधान क्षमता में सुधार
(2) लचीलापन में वृद्धि
(3) निर्णयन कौशल में वृद्धि
(4) पारस्परिक सम्बन्धों की मजबूती
(5) उत्पादकता में वृद्धि
(6) मूल्यों की वृद्धि में सहायक
(7) सार्वजनिक संसाधनों का उचित उपयोग
↓
उचित उदाहरणों द्वारा पुष्टि करें।

⇒ राजनीतिक तटस्थता सिविल सेवा में महत्वपूर्ण → भ्रष्टाचार जैसी प्रथाओं को रोकने में।

⇒ अल्पसंख्यक, दिव्यांगजन, दलित, महिला ट्रांसजेंडर आदि के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति द्वारा ही सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार संभव।

⇒ सहकर्मियों की क्षमता में विश्वास से टीमभावना का विकास होगा।

वस्तुतः यदि लोकसेवा के अनुरूप अभिवृत्ति वाले लोग इसमें न आएं तो सेवा अपने अधिदेशों को प्राप्त करने में संघर्ष करेगी।

3.5

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. (a) जवाबदेहिता क्या है तथा यह कैसे उत्तरदायित्व से अलग है। जवाबदेही किस प्रकार नैतिक शासन को बढ़ावा देती है? (150 शब्द) 10

What is Accountability and how does it differ from responsibility. How does accountability promote ethical governance. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जवाबदेहिता से आशय किसी के द्वारा किए गए कार्यों के प्रति उसे जिम्मेदार ठहराने से है। उदाहरण :- जनता राजनीतिक दलों की जवाबदेहिता पाँच साल में तय करती है।

जवाबदेही ↓ नियम आधारित
उत्तरदायित्व ↓ नैतिकता आधारित

वहीं उत्तरदायित्व का आशय स्वेच्छा से जिम्मेदारी लेने से है। जहाँ जवाबदेही कार्य पश्चात सुनिश्चित होती है वहीं उत्तरदायित्वपूर्ण कार्य क्रिया के दौरान होता है। उदाहरण :- सभी को भोजन प्रदान करना सरकार का उत्तरदायित्व है।

परिभाषा की उचित समझ

जवाबदेही का नैतिक शासन में योगदान
→ भ्रष्टाचार कम होता है
↳ उदाहरण :- RTI अधिनियम जैसे साधनों द्वारा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ पारदर्शिता आती है
↳ सामाजिक अंकेक्षण जैसे कार्योंद्वारा

⇒ वास्तविक व्यक्ति तक लाभ पहुँच पाता है। अपात्र को लाभ मिलने की स्थिति में कार्यवाही होती है।

⇒ जवाबदेही शासन व्यवस्था में आम जन के विश्वास को मजबूत करती है।
↳ उदाहरण :- वार्षिक रिपोर्ट कार्ड का प्रकाशन।

जवाबदेहिता शासन की गुणवत्ता मापने का एक महत्वपूर्ण अंग है इसको अधिकाधिक प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

नैतिक शासन में जवाबदेही की भूमिका –
(1) निर्णयन में सावधानी
(2) नागरिक जरूरतों के प्रति सजगता
(3) कुशल व उत्पादक कामकाज
(4) सरकार व लोगों के मध्य मजबूत सम्बन्ध
(5) ईमानदारी, व पारदर्शिता की सुनिश्चितता
↓
अभिप्राय के लिए उदा. लिखें
निष्कर्ष उचित

(4)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(b) शासन में नैतिक सद्गुण और मूल्यों को किस प्रकार सुदृढ़ किया जा सकता है। व्याख्या कीजिये। (150 शब्द) 10

How ethical and moral values can be strengthened in governance. Elaborate. (150 Words) 10

सद्गुण से आशय उन आचरणों अथवा प्रवृत्तियों से है जिन्हें नैतिक मूल्यों से संगत माना जाता है। उदाहरणार्थ :- सुकरात ने 'विवेक' को महत्वपूर्ण सद्गुण माना।

शासन में नैतिक सद्गुणों एवं मूल्यों का महत्व

⇒ पारदर्शिता बढ़ती है → ईमानदारी के सद्गुण का प्रभाव
⇒ जवाबदेहिता बढ़ती है ↗
⇒ दक्षता बढ़ती है → 'विवेक' के सद्गुण का प्रभाव
⇒ मानवीय पक्ष शासन में मजबूत होता है → संवेदनशीलता जैसे मूल्यों का प्रभाव।

सद्गुणों एवं नैतिक मूल्यों को कैसे सुदृढ़ करें?

⇒ नीति संहिता एवं आचरण संहिता का विकास किया जाना चाहिए तथा उनका

शासन में नैतिक सद्गुणों तथा मूल्यों से आशय –
(1) कानूनी कार्यवाही
(2) जवाबदेही
(3) प्रतिबद्धता
(4) उत्कृष्टता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रवर्तन सुनिश्चित होना चाहिए।

⇒ सद्गुणों एवं मूल्यों को अपनाने हेतु कर्मियों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए उदाहरणार्थ :- गबन का मौका होने पर भी सत्यनिष्ठा बरतने वाले को सम्मानित करना।

⇒ मूल्यों के अनुपालन हेतु उनका वरीयताक्रम स्पष्ट किया जाना चाहिए जैसे - ईमानदारी, सत्यनिष्ठा जैसे मूल्यों को प्राथमिकता देना।

⇒ शासन की दक्षता एवं छवि पर इनके प्रभाव से सभी को अवगत कराना चाहिए।

⇒ मूल्यों से विचलित लोगों पर कार्यवाही भी होनी चाहिए

वस्तुतः शासन की कार्य संस्कृति में सुधार द्वारा उपर्युक्त सुधार संभव है।

नैतिक सद्गुणों व मूल्यों को मजबूत बनाने के तरीके (शासन में)
(1) नि:स्वार्थता के सिद्धान्त द्वारा
(2) उच्च सत्यनिष्ठा
(3) वस्तुनिष्ठता
(4) जवाबदेही
(5) ईमानदारी
(6) नेतृत्व
(7) जनता के साथ अपनेपन की भावना
(8) जिम्मेदारी व अनुक्रियाशीलता

2.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. (a) नैतिक शासन क्या है? नैतिक शासन, सुशासन से कैसे संबंधित है? (150 शब्द) 10

What is ethical governance? How ethical governance is related to good governance. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नैतिक शासन से आशय, नैतिक मूल्यों एवं मानदंडों को दृष्टिगत रखकर संचालित होने वाली शासन प्रणाली से है। उदाहरणार्थ :- 'सुगम्य भारत अभियान' नैतिक शासन का एक उदाहरण है।

सुशासन से आशय प्राधिकार एवं संसाधनों के दक्षतम प्रयोग सुनिश्चित करने से है। उदाहरणार्थ :- JAM ट्रिनिटी का प्रयोग करते हुए नकद हस्तांतरण।

उचित परिभाषा एवं उदाहरण

ethical governance
↳ good gov
↳ bad gov

नैतिक शासन एवं सुशासन में संबंध

1) सकारात्मक संबंध :-

↳ प्रायः दोनों के बीच सकारात्मक संबंध ही होता है क्योंकि सुशासन का एक पक्ष नैतिक शासन भी है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

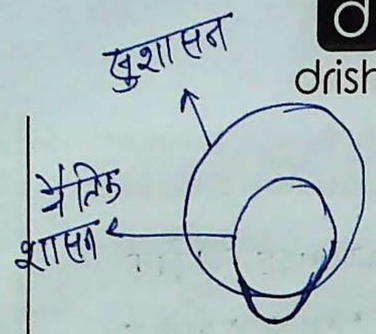

good governance के कारण हुए अन्तराल को भरने के लिए ethical gover. का प्रयोग किया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1) सरकार द्वारा नकद हस्तांतरण पद्धति का विकास अपात्र लोगों को बाहर करेगा इस तरह अनैतिक लाभ की समाप्ति होगी।

2) इसी प्रकार 'सुगम्य भारत अभियान' संसाधनों तक सभी की समान पहुँच सुनिश्चित कर सुशासन को पोषित करता है।

3) नकारात्मक संबंध :-

→ कर्ज में डूबे कृषि प्रणाली को ऋण माफी करना नैतिक शासन है किंतु सुशासन नहीं कहा जा सकता।

→ इसी प्रकार भारत में जल, बिजली आदि पर सब्सिडी नैतिक शासन तो है किंतु सुशासन नहीं।

फिर भी यदि नैतिक शासन का विवेकपूर्ण प्रयोग हो तो वह सुशासन को ही पोषित करता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(3)

(b) नीति-शास्त्र में कोई परम सत्य नहीं होता और नैतिक ढंग से क्या सही है या क्या गलत, यह व्यक्ति तथा समाज के अनुसार बदलता रहता है। विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

There are no absolute truths in ethics and that what is morally right or wrong varies from person to person or from society to society. Analyze. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उचित परिभाषा

नैतिक मूल्यों एवं आचरणों से संबंधित अध्ययन को नीतिशास्त्र के अंतर्गत शामिल किया जाता है। हालांकि नीतिशास्त्र में मानदंड समय, स्थान आदि के साथ परिवर्तित होते रहते हैं।

मूल्य (नैतिकता) → पूर्णतः वस्तुनिष्ठ नहीं।
- → किसी के लिए मांसाहार पाप है तो किसी के लिए भोजन का माध्यम।
- → कोई मैरिटल रेप को अपराध मानता है एवं कई लोग नहीं।

→ समाज के अनुसार परिवर्तनशील
- → सामंती समाज में स्त्री समानता का मूल्य नहीं था किंतु आधुनिक समाज नारी अधिकारों की बात करता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आचरण → आचरण की नैतिकता परिस्थितियों से निर्धारित

नैतिक मानकों की सापेक्षता।
① समय
② उद्देश्य
③ परिणाम
④ लागत-प्रभाव विश्लेषण

→ व्यापक हित में झूठ बोलना नैतिक। उदाहरण- देश हित में।

→ स्वहित में झूठ बोलना अनैतिक।

इसी तरह नीति मीमांसा में अलग-अलग विचारक अलग-अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं कोई स्वार्थवाद का समर्थक है तो कोई उपयोगितावादी है। अतः नीतिशास्त्र की वस्तुनिष्ठ एवं स्थिर व्याख्या संभव नहीं है।

(2)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

7. (a) निम्नलिखित व्यक्तव्य पर टिप्पणी कीजिये:
"इसमें कोई संदेह नहीं कि परिवार और घर में ही सभी महान गुण, मनुष्य के सबसे प्रभावशाली गुण, बनते हैं, सुदृढ़ होते हैं और प्रबंधित किये जाते हैं।" - विंस्टन एस. चर्चिल (150 शब्द) 10

Comment on the following quotation:
"There is no doubt that it is around the family and the home that all the greatest virtues, the most dominating virtues of human, are created, strengthened and maintained."
–Winston S. Churchill (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उपर्युक्त कथन में व्यक्ति में नैतिक मूल्यों, सद्गुणों, अभिवृत्तियों आदि के विकास में परिवार की भूमिका को उद्घाटित किया गया है।

सद्गुणों के निर्माण में परिवार की भूमिका

① आत्मसम्मान
② लैंगिक समानता
③ नैतिक विकास
④ ईमानदारी
⑤ धैर्य
⑥ संवेदना

⇒ अभिवृत्ति का बड़ा हिस्सा परिवार द्वारा निर्मित अतः गुण निर्माण में परिवार का महत्व
↳ उदाहरण:- सामाजिक अभिवृत्तियाँ
↳ अनुशासन का गुण,
↳ संवेदनशीलता का गुण।

⇒ परिवार द्वारा प्रदत्त गुण स्थायी प्रकृति के होते हैं → अतः इनमें दृढ़ता का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

तत्व भी होता है।

↳ उदाहरण:- यदि किसी परिवार में परिश्रम के मूल्य, शाकाहार के मूल्य को लेकर अभिवृत्ति निर्माण हुआ है तो मुश्किल से ही इनमें परिवर्तन संभव है।

गुणों के सुदृढ़ीकरण तथा प्रबंधन में परिवार की भूमिका स्पष्ट करें।

महात्मा गांधी को हम उनके सद्गुणों एवं सदाचारों के लिए याद करते हैं। उनके सद्गुणों के निर्माण में उनकी माता के विशेष योगदान का उल्लेख स्वयं उन्होंने ही किया है।

उचित निष्कर्ष

हालांकि कई बार परिवार से हम कुछ नकारात्मक गुण एवं मूल्य भी सीख लेते हैं

↳ उदाहरण:- पितृसत्तात्मक गुण

↳ सांप्रदायिक गुण

(3)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(b) कानून और नैतिकता दोनों मानव आचरण को विनियमित करते हैं। हालाँकि मानव आचरण को विनियमित करने के लिये नैतिकता का दायरा कानून से कहीं अधिक व्यापक है। व्याख्या कीजिये। (150 शब्द) 10

Laws and ethics both regulate human conduct. However, the scope of ethics to regulate human conduct is much broader than law. Explain. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उचित परिभाषा

कानून का निर्माण नैतिकता के अनुपालन के लिए होता है।

कानून का निर्माण शासन/सरकार द्वारा किया जाता है जबकि नैतिक संहिता लम्बे समय की प्रक्रिया में समाज द्वारा निर्मित होती है।

↳ उदाहरण:- भारत का संविधान 1950 में बना उसके बाद अन्य कानून।

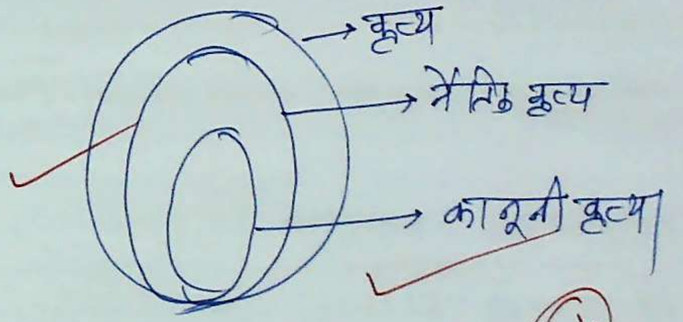

↳ नैतिक मूल्य हजारों वर्षों में विकसित एवं व्यापक।

(1)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

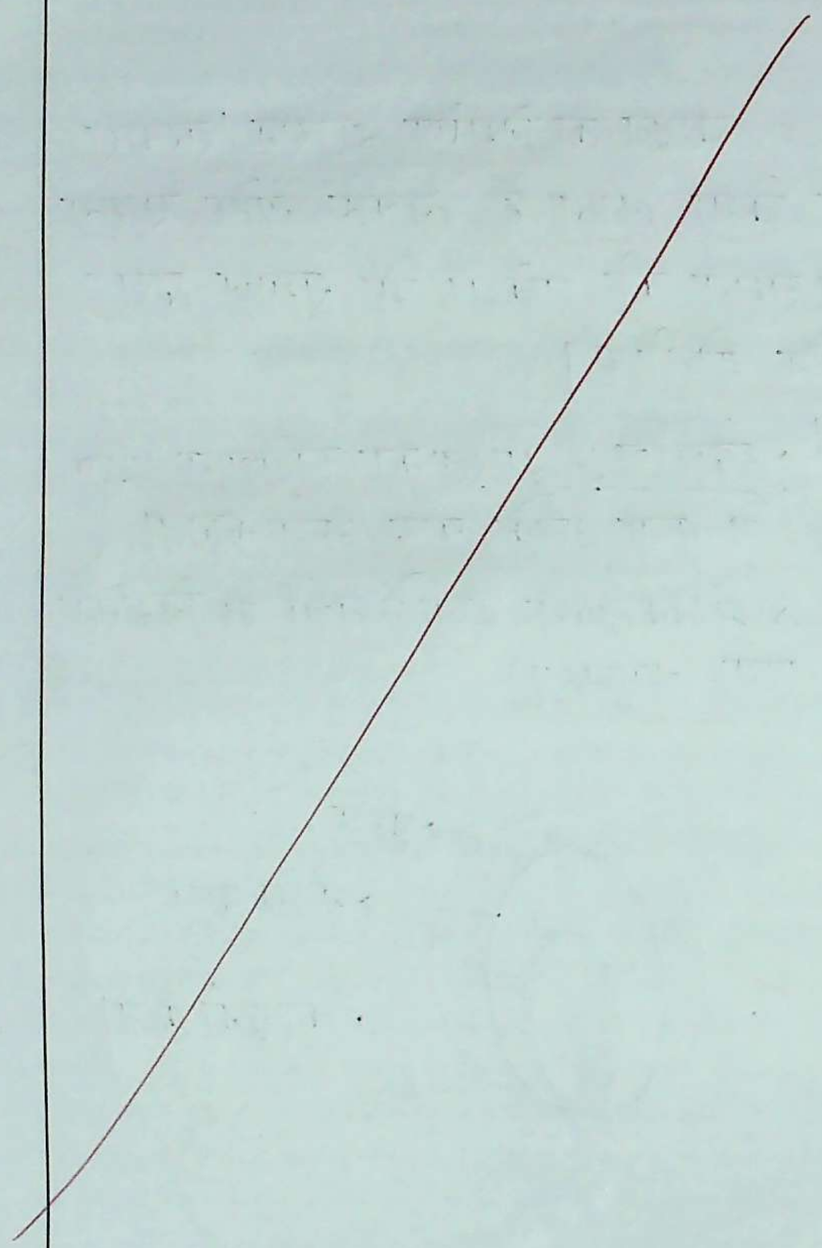

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खंड - ख / SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

8. आपको हाल ही में एक पिछड़े ज़िले में स्थित विद्यालय का प्रधानाचार्य नियुक्त किया गया है। इस इलाके के सामाजिक और आर्थिक संकेतक बहुत खराब हैं। आपका एक कर्मचारी आपका ध्यान आकर्षित करता है कि विद्यालय परिसर के भीतर स्कूल के घंटों के दौरान लड़कों का एक समूह धूम्रपान करता है छात्रों का एक ही समूह बार-बार शराब का सेवन करते पाया गया है।

आपने एक जाँच का आदेश दिया और यह पाया गया कि ये लड़के कम आय वाले परिवारों से हैं और अपने पड़ोसियों से आदतें सीख चुके हैं। शिक्षक ऐसे लड़कों के अन्य छात्रों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में चिंतित हैं।

उपरोक्त के आधार पर निम्नलिखित के उत्तर दीजिये।

(a) ऐसे कारणों की पहचान कीजिये जो युवाओं को ऐसी हानिकारक आदतों को अपनाने में मदद देते हैं? छात्रों के बीच अधिकारों को विकसित करने में शैक्षणिक संस्थानों की क्या भूमिका है?

(b) आप तत्काल समस्या का समाधान कैसे करेंगे? इस संबंध में उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिये।

(c) इस मामले में आप छात्रों के व्यवहार में परिवर्तन कैसे लाएंगे? (250 शब्द) 20

You have recently been appointed as the principal of a school which is located in a backward district. Social and Economic indicators of this locality is very poor. One of your staff brings to your attention that a group of boys indulge in smoking during school hours within the school campus. The same group of students have repeatedly been found to consume alcohol.

You ordered an inquiry and it was found that these boys belong to low-income families and have picked up habits from their neighbors. The teachers are concerned about the ill effects of such boys on other students.

Based on the above, answer the following.

(a) Identify the factors that make young people take up such harmful habits? What is the role of educational institutions in inculcating rights among the students?

(b) How would you address the immediate issue? Analyse the options available to you in this regard.

(c) How will you bring about behavioral change among students in this case? (250 Words) 20

केस स्टडी के सन्दर्भ में ही चर्चा करें।

भारत में धूम्रपान, शराब, ड्रग्स जैसी प्रवृत्तियों का तेजी से विकास हो रहा है। चिंता की बात यह है कि इसका प्रभाव सबसे अधिक युवाओं पर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

हैं जिनपर कल के भारत की सभी संभावनाएँ टिकी हुई हैं।

उपर्युक्त केसस्टडी में विभिन्न हितधारक

- लड़कों का परिवार एवं समाज
- प्रधानाध्यापक (मैं) एवं अन्य शिक्षक समूह
- धूम्रपान मद्यपान करने वाले छात्र
- अन्य छात्र

ऐसी आदतों के विकास का कारण

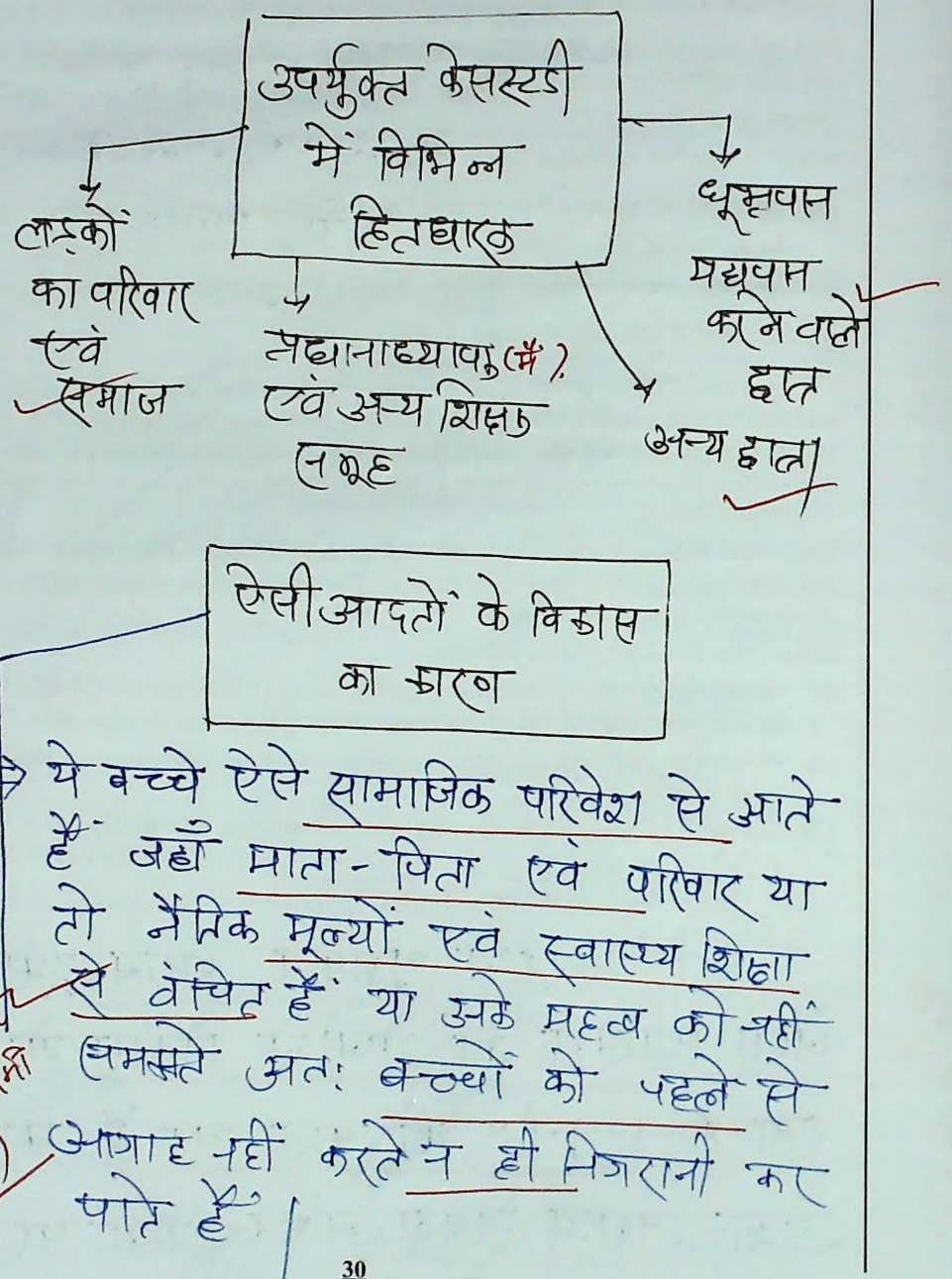

⇒ ये बच्चे ऐसे सामाजिक परिवेश से आते हैं जहाँ माता-पिता एवं परिवार या तो नैतिक मूल्यों एवं स्वास्थ्य शिक्षा से वंचित हैं या उनके महत्व को नहीं समझते अतः बच्चों को पहले से आगाह नहीं करते न ही निगरानी कर पाते हैं।

① भावनात्मक संकट
② निर्धनता
③ पारिवारिक समर्थन का अभाव
④ दूसरों को देखकर सीखना (परिवेशी प्रभाव)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

⇒ बच्चों के माता-पिता के पास पर्याप्त समय का अभाव होता है ऐसे में मॉनीटरिंग नहीं कर पाते हैं।

⇒ जिस परिवेश में अन्य लोग ऐसा कर रहे हों वहाँ धूम्रपान या मद्यपान के विरुद्ध नकारात्मक अभिवृत्ति का विकसित होना मुश्किल है।

⇒ बच्चों के मनोवैज्ञानिक तनाव आदि की उपयुक्त काउंसलिंग न होने से गलत प्रवृत्तियों का विकास होता है।

⇒ सोशल मीडिया जैसे कारकों का भी योगदान।

अधिकारों का विकास करने में शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका

→ अधिकारों के बारे में जागरूक करके। उदाहरणार्थ:- संवैधानिक, कानूनी प्रावधानों का परिचय कराकर।

→ अधिकारों पर विशेष परिचर्चा के आयोजन द्वारा जैसे— महिला अधिकार, बाल अधिकार

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विद्यालय —
① समाजीकरण व अधिगम का प्रतीप पायदान.
② शिक्षकों द्वारा मूल्य वर्धन
③. मार्गदर्शक

→ प्रायः परिवार एवं समाज महिला एवं बाल अधिकारों, शिक्षा के अधिकार पर उतना महत्व नहीं देते अतः शिक्षण संस्था की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है

उपलब्ध विकल्प एवं समाधान

① → एक विकल्प यह हो सकता है कि मैं शिक्षकों को कहूँ कि वे केवल शिक्षण कार्यों पर ध्यान दें तथा अन्य गतिविधियों को इग्नोर करें। यह एक गलत कदम होगा क्योंकि यह शैक्षिक संस्था के व्यापक दायित्वों के विरुद्ध होगा।

② → दूसरा विकल्प यह हो सकता है कि बच्चों को दण्डात्मक कार्यवाही करते हुए विद्यालय से बाहर कर दूँ। यह उनके भविष्य एवं परिवार के भविष्य के लिए नुकसानदायक होगा।

→ तीसरा विकल्प यह है कि मैं किसी नशा मुक्ति संस्था की मदद से न सिर्फ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इन बच्चों के नशामुक्ति का प्रयास करें बल्कि इनके पड़ोसियों को भी इसमें शामिल करवाऊँ। इस संबंध में विद्यालय में भी कार्यशाला का आयोजन किया जा सकता है। इससे एक दीर्घकालिक संतुलित समाधान सुनिश्चित होगा।

अच्छा

→ साथ ही साथ बच्चों की अभिवृत्ति में परिवर्तन हेतु शिक्षकों से प्रयास करने को कहूँगा।

व्यवहार में परिवर्तन कैसे?

① प्रभावितों का पुर्नवास
② मध्याह्न भोजन
③ अभिभावकों जागरूकता
④ रुचि विकास (खेल, कला)
⑤ छात्रवृत्ति पुरस्कार

⇒ इस हेतु भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रयोग सर्वश्रेष्ठ साधन।

⇒ इन्हें सूचनाएँ प्रदान की जाय
↳ स्वास्थ्य प्रभाव की
↳ NDPS अधिनियम में दंडात्मक प्रावधान की।

⇒ उदाहरण प्रस्तुत किए जाय।

बच्चों के साथ संवेदनशील व्यवहार को प्रोत्साहित करने हेतु NDPS अधिनियम में सुधार की आवश्यकता है।

6.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

9. आपको हाल ही में एक जिले के पुलिस अधीक्षक के रूप में तैनात किया गया है जिसमें कई पुराने तीर्थ और मंदिर हैं। इनमें से एक में महिलाओं के प्रवेश की अनुमति नहीं थी। हालाँकि, महिला समूह विरोध कर रहे हैं, सर्वोच्च न्यायालय ने हस्तक्षेप किया और फैसला सुनाया कि महिलाओं को संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 के आधार पर प्रवेश की अनुमति दी जाए।

मंदिर के देवता का स्वभाव ब्रह्मचारी है इसलिये पुरुष गुट इस फैसले का पुरजोर विरोध कर रहे हैं और वे महिलाओं को मंदिर में प्रवेश नहीं करने दे रहे हैं। धार्मिक समूह भी सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ हैं, राजनीतिक दलों ने भी व्यापक जनभावना को अपना समर्थन दिया है। स्थिति गंभीर हो गई है और आपको संदेह है कि कानून-व्यवस्था की समस्या हो सकती है।

(a) यहाँ प्रमुख मुद्दे क्या हैं?

(b) इस मामले में शामिल नैतिक दुविधाएँ क्या हैं?

(c) इस स्थिति में आप क्या कदम उठाएंगे? (250 शब्द) 20

You have recently been posted as the Superintendent of Police of a District which has many old shrines and temples. In one of them, women entry was not allowed. However, women groups are protesting following which the Supreme Court intervened and ruled that women be allowed enforcing the judgement on the premise of Article 14 and 15 of the Constitution.

The nature of the deity is celibate hence male faction are vehemently opposing this decision and they are not allowing women to enter the temple. Religious groups are also against SC ruling, political parties have also extended their support to the larger public sentiment. The situation has grown grim and you suspect that there may be law and order problem.

(a) What are the key issues at stake here?

(b) What are the ethical dilemmas involved in this case?

(c) What steps would you take in this situation? (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपर्युक्त केस स्टडी में विभिन्न हितधारक

- पुलिसतंत्र एवं कानून व्यवस्था
- राजनीतिक दल
- पुरुषगुट
- पुजारी गुट
- महिलाएँ
- न्यायपालिका

Copyright - Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रमुख मुद्दे

- संवैधानिक नैतिकता बनाम धार्मिक स्वतंत्रता
- व्यक्तिगत अधिकार बनाम धार्मिक नैतिकता
- सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करना खासतौर से तब जब जनता एवं राजनीतिक दल विरोध में खड़े हैं
- कानून व्यवस्था को बरकरार रखने की चुनौती

धार्मिक स्वतंत्रता का हनन (Art-25)

मूल अधि० का हनन (Art 14/15)

नैतिक दुविधाएँ

- यदि पुलिस द्वारा कठोरता से मंदिर प्रवेश आदेश को लागू करने का प्रयास होता है तो दंगे भड़क सकते हैं। प्रवेश करने वाली महिलाओं के विरुद्ध हिंसा हो सकती है।
- न्यायालय के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित न होने की दशा में न्यायालय की अवमानना का दोषी माना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नैतिक दुविधा
① कानून अनुपालन vs विश्वासों का हित
② स्त्री लिंग vs स्वतंत्रता
③ व्यक्तिगत धार्मिक हित vs सार्वजनिक विश्वास
④ धार्मिक विश्वास vs लैंगिक समानता

जा सकता है।

⇒ राजनीतिक दलों द्वारा भी पुलिस पर दबाव बनाने की संभावना है।

मेरे द्वारा उठाया गया कदम

[illegible]

↳ मैं न्यायालय के आदेश के अनुपालन को अपना कर्तव्य समझकर उसे सुनिश्चित करवाने का प्रयास करूंगा।

↳ सभी पक्षों को सहमत करने के लिए मैं अधोलिखित कदम उठाऊंगा

⇒ राजनीतिक प्रतिनिधियों से बातचीत

⇒ धार्मिक प्रतिनिधियों को परिस्थिति से अवगत कराने का प्रयास।

⇒ पुरुष दल के नेतृत्व वर्ग के साथ मीटिंग।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ महिलाओं के प्रतिनिधियों से संयम बरतने एवं थोड़ा समय देने की अपील करूंगा परिस्थिति की गंभीरता से अवगत कराऊं।

⇒ साथ-ही-साथ पुलिस के आसूचना तंत्र को अलर्ट कर उपद्रवी तत्वों की पहचान करने एवं उनपर नजर रखूंगा। संदिग्धों को नजरबंद भी किया जा सकता है। उचित

उचित विकल्प

⇒ पुलिस द्वारा सतर्कता बरतते हुए सभी मंदिरों पर पुलिस बल की तैनाती की जाएगी फ्लैग मार्च का भी आयोजन।

⇒ इन सब के साथ-साथ में सबसे अधिक महत्त्व पुजारी समुदाय के अनुनयन (Persuation) को दूंगा

7.5+

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

क्योंकि यदि वे एकबार मीडिया के सामने आकर कह देंगे कि हम न्यायालय के फैसले का सम्मान करते हैं तो फिर चुनौती काफी हद तक कम हो जाएगी। उन्हें मनाने के लिए अभी बात प्रगतिशील एवं सम्मानित महंतों या साधुओं से करायी जा सकती है।

साथ-ही-साथ मैं महिला समूह एवं राजनीतिक दलों की बैठक कराकर राजनीतिक दलों के रुख को संतुलित करवाने का भी प्रयास करूंगा।

सही परिस्थिति यदि तब भी नहीं बनती है तो न्यायालय से अतिरिक्त समय की मांग भी करूंगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

10. आप किसी ज़िले के ज़िलाधिकारी हैं। आपको अपने ज़िले के युवाओं में नशे की लत के मामलों में वृद्धि के बारे में एक रिपोर्ट मिलती है। इससे अपराधों की संख्या भी बढ़ी है। आपको ड्रग तस्करों और कुछ स्थानीय राजनेताओं के बीच गठजोड़ के बारे में भी सूचित किया गया है।

इसके अलावा, आपके विभाग में एक अधीनस्थ अधिकारी है जिसका छोटा भाई भी उस साँठगाँठ का हिस्सा है जो मादक पदार्थों की तस्करी को सुगम बनाता है। एक बार उस अधीनस्थ ने एक संघर्ष में आपकी जान बचाई और वह आपको उसी उदाहरण की याद दिलाता है और आपसे अनुरोध करते हैं कि भाई का पता न लगाएँ क्योंकि वह उसमें एक सक्रिय सदस्य रहा है। अब आपके लिये एक दुविधा है जहाँ आपको एक अधिकारी के रूप में अपनी ईमानदारी दिखानी है, अधीनस्थ अधिकारी के लिये आपके द्वारा महसूस किये गए कृतज्ञता की उपेक्षा किये बिना।

(a) अपने ज़िले से ड्रग के खतरे को खत्म करने के लिये आप क्या कदम उठाएंगे?

(b) आप युवाओं को और अधिक उत्पादक कार्यों में भाग लेने के लिये कैसे प्रेरित कर सकते हैं?

(c) आप एक अधिकारी के रूप में अपनी ईमानदारी कैसे दिखाएँगे, उस कृतज्ञता की उपेक्षा किये बिना जो आप अधीनस्थ अधिकारी के लिये महसूस करते हैं। (250 शब्द) 20

You are District Magistrate of a district. You get a report regarding, increasing drugs addiction cases among youth of your district. This has also led to increase in number of crimes. You are also informed regarding the nexus between drug traffickers and some local politicians.

Also, there is a subordinate officer in your department whose younger brother is also a part of the nexus that facilitates drug trafficking. The subordinate once saved your life in a conflict, and he reminds you of the same instance and requests you to not trace the brother in the nexus as he has been an active member in it. There is now a dilemma for you where you have to show your honesty as an officer, without disregarding the gratitude that you feel for the subordinate officer.

(a) What steps will you take to eliminate the drug menace from your district?

(b) How can you motivate youth to participate in more productive work?

(c) How will you show your honesty as an officer, without disregarding the gratitude that you feel for the subordinate officer. (250 Words) 20

नशे की लत एवं ड्रग्स तस्करी जैसी समस्याएं न सिर्फ हमारी सामाजिक संरचना को कमजोर करती हैं बल्कि हमारी आंतरिक सुरक्षा को भी प्रभावित करती हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपर्युक्त केस स्टडी में विविध मुद्दे

⇒ अपराध की जटिल संरचना
↳ राजनेता + अधिकारी + अपराधी।

⇒ युवाओं का भविष्य।

⇒ • निजी उपकार एवं पेशेवर दायित्व में से किसी एक को साधने की चुनौती।

नैतिक मुद्दे
① युवाओं के स्वास्थ्य का अधिकार
② युवाओं का करियर
③ राजनेताओं में सत्यनिष्ठा, करुणा की कमी
④ नशीली दवाओं के प्रति दृष्टिकोण बदलाव

मेरा कदम

⇒ अपराध में शामिल सभी कड़ियों की पहचान करते हुए NDPS अधिनियम के तहत कार्यवाही सुनिश्चित करवाऊंगा।

⇒ जो पहली बार इस अपराध में संलग्न हैं उनका पुनर्वास हो यह प्रयास करूंगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

युवाओं को लत से बाहर निकालने हेतु उपाय करूंगा।
→ NGO's की मदद।
→ खेल आदि गतिविधियों को प्रोत्साहन।
→ काउंसलिंग। शिक्षण संस्थाओं को शामिल करके।

युवाओं को अधिक उत्पादक कैसे बनाएं ?

→ खेल प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया जा सकता है।

→ युवाओं को संगीत, नृत्य, नाटक आदि क्षेत्रों में प्रोत्साहित किया जा सकता है।

→ जिले में विभिन्न प्रकार की समस्याओं के समाधान हेतु हैकथॉन का आयोजन करवाकर उनके दिमाग को सकारात्मक

रोल मॉडल लोगों का नशीली दवाओं के खिलाफ जागरूकता हेतु कामना

सेमिनार कियोस्क हेतु

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दिशा में मोड़ा जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ युवाओं को तनाव, अवसाद से बाहर लाने में नागरिक समाज संगठनों की मदद ली जा सकती है।

⇒ युवाओं में प्रभाव रखने वाले लोगों के माध्यम से नशा के विरुद्ध अपील करवाकर उन्हें उत्पादक कार्यों की तरफ प्रेरित किया जा सकता है।

कृतज्ञता एवं ईमानदारी को कैसे संतुलित करें?

⇒ यदि कोई उपकार के बदले अनुचित लाभ लेने का प्रयास करने के क्रम में इसे ~~नैतिकता~~ कृतज्ञता का नाम देता है तो यह सर्वथा गलत है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

में उस व्यक्ति को बताऊंगा कि उसका उपकार मुझ पर है जिसको मैं निजी स्तर पर कृतज्ञतापूर्ण कार्यों से निभा सकता हूँ न कि अपने पेशेवर कार्यों का दुरुपयोग करके।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इस तरह मैं अपने अधीनस्थ को अनुनयन द्वारा अपनी मजबूरियों से अवगत कराकर समझाने का प्रयास करूंगा।

पार्ट-C सर्वाधिक तर्क संगत

(6+1)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. आप नगर निगम के प्रशासनिक प्रमुख हैं। एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक, नेता और भारत के पूर्व राष्ट्रपति, जो सभी समुदायों में सम्मानित हैं और एक अंतर्राष्ट्रीय व्यक्ति हैं, का हाल ही में निधन हो गया है। नगर निगम की बैठक में इस व्यक्ति के सम्मान में सड़क का नाम बदलने का प्रस्ताव रखा गया है। इस सड़क का नाम पहले से ही एक प्रसिद्ध लेकिन कथित रूप से भारत के अल्पसंख्यक समुदायों में से एक शासक के नाम पर रखा गया है और कई लोगों का मानना है कि वह भारत के बहुसंख्यक समुदाय की धार्मिक भावनाओं के खिलाफ थे। मृतक व्यक्ति बहुसंख्यक समुदाय का है। हालाँकि, इस प्रस्ताव की विभिन्न कारणों से समाज के कई वर्गों में निंदा की गई है। आमतौर पर केवल नई सड़कें और गलियाँ, जिनका कोई विशिष्ट नाम नहीं है, उन्हें नए नाम दिये जाते हैं। ऐसे परिदृश्य में, आपको वर्तमान संदर्भ में एक सड़क का नाम बदलने के विभिन्न प्रभावों पर एक रिपोर्ट तैयार करने और इस संबंध में सुझाव देने के लिये कहा गया है। इस तरह के अभ्यास के विभिन्न गुण-दोषों का विश्लेषण कीजिये और यह बताइये कि आप निगम को क्या सुझाव देंगे। (250 शब्द) 20

You are the administrative head of a municipal corporation. A famous scientist, leader and former President of India who's respected across all communities and is an international figure has died recently. In the meeting of the municipal corporation, a proposal has been raised to rename a road in the honour of this personality. This road has already been named after a famous but allegedly despotic king from the past who belonged to one of the minority communities of India and many believe that he was against the religious sentiments of majority community of India. The deceased personality belongs to the majority community. However, this proposal has been condemned across many sections of the society for different reasons. Usually only new roads and roads which don't have any specific name are given new names. In such scenario, you have been asked to prepare a report on various implications of renaming a road in the present context and give suggestions in this regard. Analyse the various merits and demerits of such exercise and explain what suggestions you will provide to the corporation. (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जगहों, सड़कों आदि के नाम परिवर्तन का मुद्दा सामाजिक रूप से संवेदनशील मुद्दा है। हम अपने समाज के प्रसिद्ध लोगों के योगदान को याद करने के लिए ऐसा करते हैं। किंतु यदि यह विवाद एवं सामुदायिक संघर्ष का विषय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

बन जाय तो सारा उद्देश्य निष्फल हो जाता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपर्युक्त केस स्टडी में विभिन्न हितधारक
- बहुसंख्यक समुदाय
- अल्पसंख्यक समुदाय
- नगर निगम एवं मैं
- विभिन्न राजनीतिक दल
- अन्य

मेरी रिपोर्ट

1) नाम बदलने का प्रभाव
- सकारात्मक
  - बहुसंख्यक लोग खुश होंगे
  - वैज्ञानिक, नेता एवं पूर्व राष्ट्रपति का सम्मान होगा।
- नकारात्मक
  - अल्पसंख्यक समुदाय नाखुश हो सकता है।

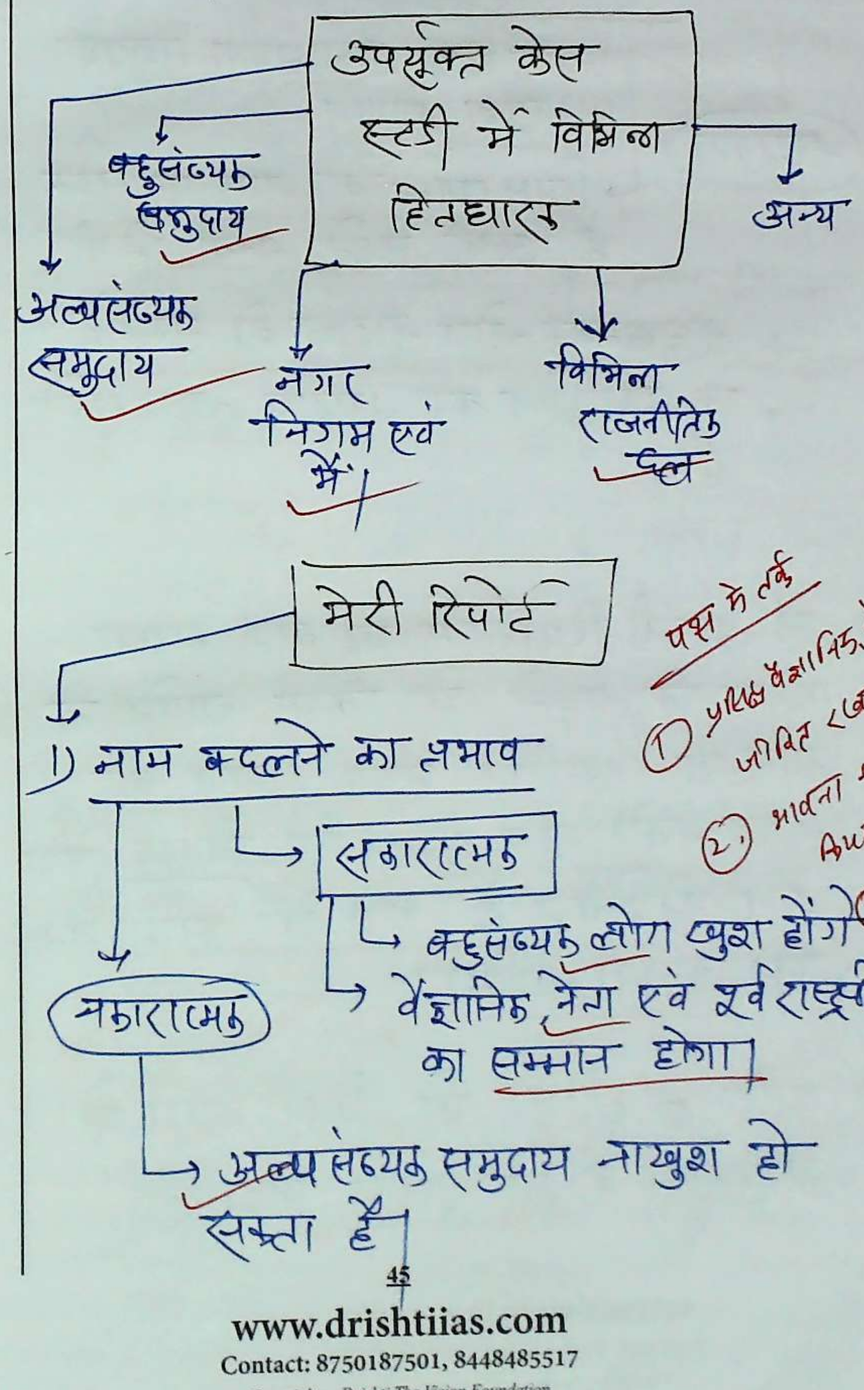

पक्ष मे तर्क
(1) प्रसिद्ध वैज्ञानिक, नेता, को जीवित रखा जाए
(2) भावना का सम्मान किया जाए
(3) मेहनत को पुरस्कृत किया जाये

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(2) नाम न बदलने का प्रभाव

→ सकारात्मक
→ अल्पसंख्यक समुदाय खुश होगा।
→ जिस व्यक्ति के नाम पर सड़क है उसकी स्मृति बची रहेगी।

नकारात्मक
→ बहुसंख्यक लोग नाराज हो सकते हैं।
→ वे तुष्टीकरण का आरोप लगा सकते हैं।

(3) मैं अपनी रिपोर्ट में यह बात स्पष्ट करूंगा कि पहले से किसी व्यक्ति के नाम पर स्थापित सड़क / स्थान की जगह नवीन नाम सुझाने से विवाद पैदा होना निश्चित है, ऐसे में सामान्यतः इससे बचना चाहिए।

(4) यदि लोगों को किसी नाम से असंतोष है तो इसका निर्धारण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भावनात्मक तरीके से न होकर ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर होना चाहिए। इस संबंध में किसी विशेषज्ञ समिति की स्थापना कर उसकी अनुसंशाओं का पालन होना चाहिए।

(5) नामकरण के संदर्भ में नगर निगम को एक मानदंड पुस्तिका का निर्माण सुनिश्चित करवाना चाहिए एवं उसका वस्तुनिष्ठ अनुपालन सुनिश्चित करवाना चाहिए।

उपर्युक्त कार्यों से नामकरण का सकारात्मक उद्देश्य सुनिश्चित होगा न कि बेवजह का राजनीतिकरण।

आप द्वारा अपनाये गये विकल्प पर विकल्प पर चर्चा करें— नाम न बदले, यदि बदले तो अल्पसंख्यक समुदाय समुदाय के व्यक्ति के नाम पर रखें।

(4)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

12. आप बाल विकास परियोजना अधिकारी हैं। आप 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिये पोषण संवर्द्धन योजना लागू करने के प्रभारी हैं। कुछ अंतर्राज्यीय प्रवासी और अशिक्षित माता-पिता अपने बच्चों के लिये इस योजना का लाभ उठाने हेतु आपके पास आते हैं। लेकिन उनके पास यह साबित करने के लिये कोई दस्तावेज नहीं है कि वे पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं। लेकिन उनसे बात करने के बाद आपको उनकी स्थिति का एहसास होता है और आपकी जाँच से यह भी पता चलता है कि वे एक निराश्रित स्थिति में रह रहे हैं और उनके बच्चे सड़क के किनारे भीख माँग रहे हैं।

एक अधिकारी के रूप में आपके लिये नैतिक दुविधाएँ क्या हैं?

आपके पास उपलब्ध विकल्प क्या हैं और उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ विकल्प की पहचान कीजिये और इसके कारण बताइये। (250 शब्द) 20

You are the child development project officer. You are in charge of implementing a nutrition enrichment scheme for children under 14 years of age. Some inter-state migrants and illiterate parents come to you to avail the benefits of the scheme for their Children. But they have no documents to prove that they fulfill the eligibility criteria. But after talking to them you realize their position and your inquiry also shows that they are living in a destitute condition and their children are begging on the roadside.

What are the ethical dilemmas for you as an officer?

What are the options available to you and identify the best option available and give reason for it. (250 Words) 20

भारत का खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 सभी तक खाद्य आपूर्ति का अधिकार प्रदान करता है। भारत में खाद्य एवं पोषण सरकारी सेवा से बढ़कर अधिकार का विषय है।

केस स्टडी तक ही सीमित रहें। सामान्य अध्ययन का उत्तर न लिखें

विभिन्न मुद्दे/चुनौतियाँ

⇒ कानूनी प्रक्रिया का पालन V/s पोषण सुरक्षा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मेरे पास उपलब्ध विकल्प

① ⇒ मैं उनको पोषण संबंधी योजना का लाभ देने से मना कर दूँ क्योंकि उनके पास आवश्यक दस्तावेज नहीं हैं।

↳ यह कदम पोषण संवर्द्धन योजना के अधिदेश के विरुद्ध होगा। प्रक्रियागत एवं तकनीकी बाधाओं के चलते किसी की सेवा तक पहुँच बाधित नहीं होनी चाहिए।

नैतिक दुविधा
① वैधता vs मानवता
② कर्तव्य vs नैतिकता

② ⇒ मैं अपनी विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्हें योजना का लाभ प्रदान करूंगा।

↳ इससे उनके पोषण के अधिकार को सुनिश्चित किया जा सकेगा।

↳ यह कार्य उचित तरीके से हुआ है यह सिद्ध करने के लिए जो भी प्रशासनिक जाँच एवं दस्तावेजीकरण जरूरी होगा यह

अपनी शक्तियों को सन्दर्भित करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सुनिश्चित करवाऊंगा।

⇒ खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ बच्चों का शिक्षा का अधिकार (अनुच्छेद-21A) भी बाधित हो रहा है साथ ही आवासीय सुविधा भी उनको उपलब्ध नहीं है

↳ इसके लिए संबंधित विभागों में आवेदन दूंगा ताकि उन्हें यथोचित लाभ मिल सके।

वस्तुत: शासन में संवेदनशीलता सेवा भावना जैसे तत्व का होना इसीलिए महत्वपूर्ण है ताकि इस तरह के लोग आवश्यक मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रह जाएँ।

उत्तर अपूर्ण
आप द्वारा अपनाया गया सर्वोत्तम कथन
क्यों द्वारा स्पष्टीकरण अपेक्षित)

4/10

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

13. आप एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के कुलपति हैं। विश्वविद्यालय, सहायक प्रोफेसर के पद के चयन के लिये आपकी अध्यक्षता में शीघ्र ही एक साक्षात्कार पैनल बुलाने की योजना बना रहा है। साक्षात्कार से कुछ दिन पहले, आपको एक वरिष्ठ सरकारी पदाधिकारी के प्रधान सचिव (पीएस) से एक फोन आया, जिसमें इस पद के लिये पदाधिकारी के एक करीबी रिश्तेदार के पक्ष में आपके हस्तक्षेप की मांग की गई। पीएस आपको यह भी सूचित करता है कि वह आधुनिकीकरण के लिये धन प्रदान करने के लिये आपके संस्थान के लंबे समय से लंबित और तात्कालिक प्रस्तावों से अवगत है, जो पदाधिकारी की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने आपको आश्वासन दिया कि वह इन प्रस्तावों को मंजूरी देंगे।

(a) आपके लिये कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं?

(b) सभी विकल्पों का मूल्यांकन कीजिये और कारण बताते हुए सबसे अच्छा विकल्प चुनिये जिसे आप अपनाएंगे। (250 शब्द) 20

You are the Vice-Chancellor of a reputed University. The University is planning to convene an interview panel shortly under your chairmanship for the selection of the post of Assistant Professor. A few days before the interview, you got a call from the principal secretary (PS) of a senior government functionary seeking your intervention in favor of a close relative of the functionary for this post. The PS also informs you that he is aware of the long pending and urgent proposals of your institute for grant of funds for modernization, which are awaiting the functionary approval. He assures you that he will get these proposals cleared.

(a) What are the options available to you?

(b) Evaluate all the options and choose the best option which you would adopt, giving a reason. (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शिक्षण संस्थाओं में शिक्षकों के चयन में भ्रष्टाचार पूरी शिक्षा व्यवस्था की शुचिता को तो प्रभावित करता ही है साथ-ही-साथ यह शिक्षा की गुणवत्ता के साथ समझौता एवं अन्य लोगों के अधिकारों का हनन है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपलब्ध विकल्प

→ सबसे पहला विकल्प यह हो सकता है कि मैं सरकारी पदाधिकारी के लालच में आकर भ्रष्टाचार के मार्ग पर चलते हुए उनके रिश्तेदार का चयन करूँ।

→ ऐसा करना मेरे लिए संभव नहीं होगा। मैं सरकारी पदाधिकारी से निवेदन करूंगा कि अपने रिश्तेदार को वे साक्षात्कार हेतु भेजें यदि वह

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

योग्य हुआ तो उसके साथ अन्याय नहीं होगा किंतु पक्षपात करना मेरे लिए संभव नहीं है।

⇒ दूसरा विकल्प यह है कि मैं उनकी बात को इनकार कर सामान्य तरीके से चयन करूं।

↳ इससे मुझे विश्वविद्यालय को मिलने वाली सहायता के संबंध में नुकसान उठाना पड़ेगा किंतु दीर्घकाल में यही निर्णय सही है।

⇒ मेरे पास एक विकल्प अधिकारी के विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायत का है। मैं कार्मिक मंत्रालय में उक्त अधिकारी के विरुद्ध लिखित शिकायत करूंगा और यह निश्चित रूप से सुनिश्चित करवाऊंगा कि उन्हें दण्डित

व्यवहारिक नहीं। (लिखित साक्ष्य का अभाव) आप व्यक्तिगत संकट उत्पन्न कर लेंगे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

किया जाय।

↳ यदि जरूरत पड़ी तो स्वयं उनके विरुद्ध FIR भी करूंगा।

इस तरह के भ्रष्टाचार के प्रयासों को मीडिया में उजागर करना भी जरूरी है ताकि अन्य लोग ऐसा न करें एवं ऐसा करने वाले सामाजिक अपमान का सामना करें।

उत्तर पूर्ण नहीं। आप किस विकल्प का चुनाव करेंगे। (विकल्प -1) सर्वाधिक उचित
↓
होने वाले लाभ भी बताइये

4½

Copyright – Drishti The Vision Foundation